उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

376 - प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा

प्रायोगिक संदर्शिका

विद्याधनम् सर्वधनप्रधानम्

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

आईएसओ 9001 : 2008 प्रमाणित

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

ए-24-25 इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-62, नोएडा-201301 (उ. प्र.)

वेबसाइट : www.nios.ac.in टोल फ्री नं. - 18001809393

सलाहकार समिति

प्रो. सरोज शर्मा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उप्र)

डॉ राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा (उप्र)

पाठ्यक्रम समिति

अध्यक्ष

प्रो. आशा सिंह
प्रोफेसर हयूमन डेवलेपमेंट एंड चाइल्डहुड स्टड़ीज
लेडी इर्विन कॉलिज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

प्रो. रीता सोनावत
प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
मानव विकास
मानव विकास विभाग, एसएनडीटी
महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

श्री बी. साहू
उप निदेशक प्रशिक्षण
एनआईपीसीसीडी, नई दिल्ली

डॉ. संगीता चौधरी
वरिष्ठ प्रवक्ता
डायट, राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली

सुश्री फरीहा सिद्दीकी
कार्यक्रम प्रबंधक
बी वोक इन अर्ली चाइल्डहुड
मेनेजमेंट एंड आंत्रप्रीन्यौरशिप
अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ भानुमति शर्मा
ऐसोसिएट प्रोफेसर
हयूमेन डेवलेपमेंट एंड चाइल्ड स्टड़ीज
लेडी इर्विन कॉलिज, दिल्ली विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

डॉ. संध्या संघई
ऐसोसिएट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. प्रेमलता मूलिक
पूर्व निदेशक
सुशीला देवी पॉलिटेक्निक फॉर वूमन
गाजियाबाद (उप्र)

डॉ. मधुर भाटिया
शैक्षिक अधिकारी (शिक्षक शिक्षा)
एनआईओएस, नोएडा (उप्र)

डॉ भारती
ऐसोसिएट प्रोफेसर
डिपार्टमेंट ऑफ ऐजुकेशन ऑफ ग्रुप्स विद स्पेशल
नीडस, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

प्रो. रोमिला सोनी
असिस्टेंट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

सुश्री सोनिया मेंहदीरत्ता
प्रवक्ता
हैप्पी मॉडल स्कूल
नई दिल्ली

पाठ लेखक

प्रो. आशा सिंह
प्रोफेसर हयूमन डेवलेपमेंट एंड चाइल्डहुड
स्टड़ीज, लेडी इर्विन कॉलिज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ भारती
ऐसोसिएट प्रोफेसर
डिपार्टमेंट ऑफ ऐजुकेशन ऑफ ग्रुप्स विद
स्पेशल नीडस, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. पी. डी. सुभाष
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर
प्लानिंग एंड मॉनिटरिंग डिवीजन
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

सुश्री अर्चना
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर
गृह विज्ञान विभाग, द आईआईएस
विश्वविद्यालय जयपुर, राजस्थान

डॉ. पदमा यादव
ऐसोसिएट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

प्रो. रोमिला सोनी
असिस्टेंट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. रीतु चंद्रा
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

सुश्री जया कांडपाल
शिक्षक प्रशिक्षक
नर्सरी शिक्षक प्रशिक्षण कॉलेज
नई दिल्ली

डॉ. संध्या संघई
ऐसोसिएट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. सविता कौशल
असिस्टेंट प्रोफेसर
डिपार्टमेट ऑफ कैपिसिटी बिल्डिंग इन
ऐजुकेशन, न्यूपा, नई दिल्ली

डॉ. शशि शुक्ला
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग, मिरांडा हाऊस,
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. मधुर भाटिया
शैक्षिक अधिकारी (शिक्षक शिक्षा)
एनआईओएस, नोएडा, (उप्र)

संपादक मंडल

प्रो. आशा सिंह
हयूमन डेवलेपमेंट एंड चाइल्डहुड
स्टड़ीज, लेडी इर्विन कॉलिज
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. संगीता चौधरी
वरिष्ठ प्रवक्ता
डायट, राजेन्द्र नगर
नई दिल्ली

सुश्री फरीहा सिद्दीकी
कार्यक्रम प्रबंधक
बी वोक इन अर्ली चाइल्डहुड
मेनेजमेंट एंड आंत्रप्रीन्यौरशिप
अम्बेडकर विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. उमेश कुमार शुक्ल
सहायक प्रोफेसर, हिंदी एवं भाषा विज्ञान विभाग
उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड

डॉ. अनुराधा
टीजीटी, श्री गुरू हर कृष्ण बालिका उच्चतर
माध्यमिक विद्यालय, माता सुंदरी, नई दिल्ली

प्रो. जनक वर्मा
पूर्व प्रोफेसर, डिपार्टमेट ऑफ ऐजुकेशन
ऑफ ग्रुप्स ऑफ स्पेशनल नीडस
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. प्रेमलता मूलिक
पूर्व निदेशक
सुशीला देवी पॉलिटेक्निक फॉर वूमन
गाजियाबाद (उप्र)

डॉ. रत्नर्त्तुः मिश्रा
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग,
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर (उप्र)

डॉ. बी.जी. सिंह
प्राचार्य (सेवानिवृत्त), माता भगवती देवी
राजकीय महिला महाविद्यालय आगरा, (उप्र)

डॉ. मधुर भाटिया
शैक्षिक अधिकारी (शिक्षक शिक्षा)
एनआईओएस, नोएडा, (उप्र)

डॉ. रवनीत कौर
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर, प्रारंभिक शिक्षा विभाग
माता सुंदरी कॉलिज फॉर वूमन
दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

डॉ. रीतु चन्द्रा
ऐसिस्टेंट प्रोफेसर
प्रारंभिक शिक्षा विभाग
एनसीईआरटी, नई दिल्ली

डॉ. नवनीत शर्मा
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश
केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धौलाधार परिसर-1,
धर्मशाला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

डॉ सत्यवीर सिंह
प्राचार्य, श्री नेहरू इंटर कॉलिज, पिलाना,
बागपत, (उप्र)

अनुवादक

डॉ. रत्नर्त्तुः मिश्रा
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा प्रशिक्षण विभाग
छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय
कानपुर (उप्र)

श्रीमति सोनिया मेहंदीरत्ता
टीजीटी मनोविज्ञान, हेप्पी मॉडल स्कूल
जनकपुरी, दिल्ली

डॉ. ऋषभ कुमार मिश्र
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, महात्मा गांधी
अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र

डॉ. अनुराधा
टीजीटी, श्री गुरू हर कृष्ण बालिका उच्चतर
माध्यमिक विद्यालय, माता सुंदरी, नई दिल्ली

सुश्री कुसुमलता अग्रवाल
सेवानिवृत भाषा अध्यापिका
सर्वोदय बाल विद्यालय, रमेश नगर
नई दिल्ली

श्रीमति प्रज्ञा प्रभाती
टीजीटी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय
बुलंदशहर, (उप्र)

विषय समन्वयक

डॉ. मधुर भाटिया
शैक्षिक अधिकारी (शिक्षक शिक्षा)
एनआईओएस, नोएडा, (उप्र)

डॉ. उदयना
सलाहकार (शिक्षक शिक्षा)
एनआईओएस, नोएडा, (उप्र)

डीटीपी कार्य

मैसर्स शिवम ग्राफिक्स
431, ऋषि नगर, रानी बाग, दिल्ली-110034

मैसर्स मल्टी ग्राफिक्स, प्रेस टू प्रिंट प्रोडेक्शन
8ए/101, डबल्यू, ई.ए. करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आपसे दो शब्द

प्रिय शिक्षार्थी,

उच्चतर माध्यमिक स्तर पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पाठयक्रम में आपका स्वागत है। वैश्विक स्तर पर यह निर्विवाद है कि आजीवन विकास, सीखना, अभिवृत्ति एवं मूल्यों को आत्मसात करने की नींव प्रारंभिक वर्षों में एक अनुकूल वातावरण पर निर्भर करती है। बच्चों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल तथा शिक्षा प्रदान करने की राष्ट्र की प्रतिबद्धता के लिए आवश्यक है कि हम ईसीसीई के महत्व एवं अन्य पहलुओं के बारे में जागरूकता पैदा कीजिए। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान ने विद्यालय स्तर पर ऐसा करने की योजना तैयार की है।

उपरोक्त का अनुसरण करते हुए उच्चतर माध्यमिक स्तर पर ईसीसीई हेतु पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। आपकी सुविधा के लिए इस पाठ्यक्रम की स्व-अध्ययन सामग्री को दो भागों में बाँटा गया है। पहले भाग में 2 मॉड्यूल तथा 9 पाठ हैं। दूसरे भाग में 3 मॉड्यूल तथा 13 पाठ हैं। संपूर्ण पाठ्यक्रम में 5 मॉडयूल तथा 22 पाठ हैं। प्रत्येक पाठ में ऐसी गतिविधियाँ दी गई हैं जो आपको अवधारणाओं में दक्षता हासिल करने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने तथा सीखने को अर्थपूर्ण बनाने में सहायक होंगी। पाठगत प्रश्नों तथा पाठांत अभ्यासों को इस दृष्टिकोण से शामिल किया गया है ताकि आप स्वयं के सीखने का आकलन कर सकें तथा पाठ्यक्रम में आगे बढ़ते हुए प्रतिपुष्टि प्राप्त कर सकें।

इस पाठ्यक्रम में प्रायोगिक अभ्यास भी शामिल हैं जिसके माध्यम से आप छोटे बच्चों को बेहतर समझ पायेंगे। इसके लिए ईसीसीई में प्रयोग हेतु पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रायोगिक पाठ्यक्रम में पाँच श्रेणियों में कुल 22 गतिविधियाँ हैं।

पाठ्यक्रम के अध्ययन के दौरान आपके कुछ प्रश्न एवं जिज्ञासाएँ हो सकती हैं। हम आशा करते हैं कि आप अपने प्रश्नों एवं शंकाओं को व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (पीसीपी) के दौरान अपने अनुशिक्षकों से साझा करेंगे।

यदि आप कोई भी कठिनाई महसूस करते हैं तो कृपया बेझिझक हमें लिखें। इस पाठ्यक्रम के बारे में हमें आपकी प्रतिक्रिया एवं सुझावों की प्रतीक्षा है।

हम आपकी सफलता एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

पाठ्यक्रम समिति

परिचय

ईसीसीई पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल शिक्षार्थियों को सैद्धान्तिक ज्ञान से परिचित कराना है बल्कि उन्हें ईसीसीई की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने के अवसर प्रदान करना भी है। इस प्रायोगिक अभ्यास में शामिल गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को कुछ ऐसे क्रियाकलाप करने में सहायक होंगी जो ईसीसीई के सैद्धान्तिक ज्ञान तथा वास्तविक परिस्थितियों के मध्य जुड़ाव हेतु कड़ी का कार्य करेगी। इसमें शामिल गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को प्रयोग द्वारा स्वयं करके सीखते हुए बच्चों की बेहतर समझ हासिल करने में सहायक होंगी। सभी प्रायोगिक गतिविधियाँ अनिवार्य हैं और सभी शिक्षार्थियों द्वारा ही की जानी हैं। सभी गतिविधियाँ पाँच श्रेणियों में विभाजित हैं। अंतिम प्रायोगिक परीक्षा हेतु शिक्षार्थी को पर्ची के माध्यम से इन पाँच श्रेणियों में से कोई एक गतिविधि दी जाएगी।

श्रेणियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं–

1. **अवलोकन**
2. **पारिवारिक मान्यताएँ**
3. **विद्यालय अभिलेख**
4. **ईसीसीई केन्द्र में अवसंरचना एवं सुविधाएँ**
5. **ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम**

प्रायोगिक गतिविधियाँ किसी विषय को समझने एवं सीखने का अभिन्न अंग हैं। इस पाठ्यक्रम के लिए प्रायोगिक गतिविधियों में पड़ोस के ईसीसीई केन्द्र का अवलोकन, बच्चों एवं अभिभावकों के साथ अन्तर्क्रिया, सृजनात्मक क्रियाकलाप तथा प्रतिवेदन लिखना शामिल है। ईसीसीई केन्द्र की कार्य प्रणाली तथा बच्चों को समझने के लिए इन गतिविधियों को शामिल किया गया है ताकि आप ईसीसीई के बारे में आवश्यक सूचनाएँ हासिल कर सकें।

अधिगम प्रतिफल

प्रयोगिक गतिविधियों को करने के बाद आप–

- सूचनाएँ एकत्र करने हेतु उपयुक्त उपकरण तैयार करते हैं;
- आवश्यक सूचनाएँ एकत्र करने हेतु इन उपकरणों का प्रभावशाली ढंग से उपयोग करते हैं;
- उपकरणों की प्रभावशीलता तथा अध्ययन के तहत निर्धारित गतिविधियों की उपयुक्तता के बारे में निष्कर्ष निकालने के लिए एकत्रित जानकारी का विश्लेषण करते हैं;
- एकत्र की गई जानकारी का प्रतिवेदन लिखते हैं तथा टिप्पणी करते हैं;
- अवलोकन तथा साक्षात्कार के संचालन हेतु आवश्यक कौशल विकसित करते हैं; और
- ईसीसीई में और बेहतर समझ हेतु गतिविधियों के परिणामों का उपयोग करते हैं।

A. प्रायोगिक गतिविधि का प्रारूप

जहाँ तक संभव हो, सभी प्रायोगिक गतिविधियों को नीचे दिये गये प्रारूप में ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। प्रारूप में निम्नलिखित जानकारी शामिल हो सकती है–

(i) लक्ष्य : गतिविधि के क्षेत्र को परिभाषित कीजिए।

(ii) परिचय : सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि में प्रायोगिक गतिविधि की प्रासंगिकता का वर्णन कीजिए।

(iii) उद्देश्य : प्रायोगिक गतिविधि को परिणामों से संबंधित कीजिए।

(iv) आवश्यक सामग्री : गतिविधि के सफल संचालन हेतु आवश्यक सामग्री को सूचीबद्ध कीजिए।

(v) विधि : गतिविधि को पूरा करने के चरणों को सूचीबद्ध कीजिए।

(vi) अवलोकन: अवलोकन का विस्तार से अभिलेखन कीजिए।

(vii) निष्कर्ष/चर्चाएँ/व्याख्याएँ : गतिविधि के लक्ष्य तथा परिणाम के बीच संबंध को न्यायोचित ठहराइए।

B. गतिविधि के संचालन हेतु निर्देश

(i) गतिविधियों के उद्देश्यों को सावधानीपूर्वक तैयार कीजिए। यह आपको यह समझने में मार्गदर्शन करेगा कि क्या करने की आवश्यकता है।

(ii) गतिविधि शुरू करने से पहले आवश्यक सामग्री को सूचीबद्ध कीजिए तथा एकत्र कीजिए।

(iii) विधि को ध्यान से लिखिए तथा सटीकता से विधि के चरणों का पालन कीजिए।

(iv) प्रत्येक चरण के पश्चात् अवलोकन को लिखिए ताकि आवश्यक जानकारी बिना किसी कमी के सटीकता से उपलब्ध हो।

(v) सभी निर्धारित सावधानियों का पालन कीजिए अन्यथा गतिविधि के परिणाम सटीक नहीं होंगे।

(vi) प्रायोगिक गतिविधियों का संचालन करते समय संदर्शिका को साथ रखिए और उसका संदर्भ लीजिए।

C. अभिलेखन पुस्तिका का रखरखाव

प्रत्येक प्रायोगिक गतिविधि को अभिलेखन पुस्तिका में नीचे दिये गये प्रारूप में दर्ज किया जाएगा–

(i) गतिविधि का उद्देश्य

(ii) आवश्यक सामग्री

(iii) विधि/पद्धति

(iv) अवलोकन

(v) निष्कर्ष/व्याख्याएँ

(vi) अवलोकित सावधानियाँ

प्रत्येक श्रेणी का विस्तृत विवरण

1. अवलोकन

प्रायोगिक गतिविधि-1

लक्ष्य : अवलोकन हेतु प्रारूप तैयार करना एवं प्रारूप को भरकर निष्कर्ष निकालना।

परिचय : अवलोकन, बच्चों के अध्ययन हेतु लोकप्रिय तरीकों में से एक है। यह महत्वपूर्ण है कि किसी विशिष्ट परिस्थिति में क्या अवलोकन करना है, कौन-सी सूचनाएँ एकत्र करनी है, इसके लिए अवलोकनकर्ता को पूर्णरूप से तैयार होना चाहिए। अवलोकन हेतु एक विशिष्ट एवं भलीभांति तैयार किया गया प्रारूप, अवलोकन सत्र के उद्देश्यों पर ध्यान केन्द्रित में सहायता करता है। इसका तात्पर्य यह है कि अवलोकनकर्ता, आवश्यक जानकारी भरने के लिए पर्याप्त स्थान के साथ ऐसा प्रारूप तैयार करता है जिसे भरने में अधिक समय न लगे तथा कोई भटकाव न हो।

उद्देश्य : इस गतिविधि को करने के बाद आप

- उपयुक्त तथा भलीभांति प्रारूपित अवलोकन पपत्र तैयार करते हैं;
- प्रत्येक उद्देश्य के साथ दिये गये स्थान को भरकर विस्तारपूर्वक सभी अवलोकनों को अभिलेखित करते हैं;
- बिना किसी देरी तथा भटकाव के जानकारी अभिलेखित करते हैं; और
- सुनिश्चित करते हैं कि अवलोकन का कोई आवश्यक पहलु नहीं छूटा है।

आवश्यक सामग्री

- पेंसिल, पेन, स्केच पेन;
- पैमाना, रबर, शार्पनर;
- चार्ट शीट/पेपर

विधि:

(i) नीचे दी गई जानकारी चार्टशीट पर लिखिए। प्रत्येक जानकारी हेतु आवश्यक स्थान प्रदान कीजिए।

दिनांक :

समय :

अवधि :

गतिविधि/स्थिति :

बच्चे की आयु :

(ii) अवलोकन किये जाने वाले सभी पहलुओं की एक जाँच सूची तैयार कीजिए। नीचे एक नमूना दिया गया है–

पद	सदैव	कभी-कभी	कभी नहीं	टिप्पणी
साथ में खेलना				
अकेले खेलना				
खिलौने/उपकरण साझा करना				
अपनी बारी लेना (बारी-बारी से)				
मित्रवत				
आक्रामक				

(ध्यान दीजिए : इस सूची में अवलोकनार्थ परिस्थिति तथा बच्चों की आयु के अनुरूप बदलाव किया जा सकता है।)

अवलोकन

- जाँच सूची के प्रत्येक पद के सामने उसके उपयुक्त कॉलम में सही का निशान लगाइए।
- अधिक व्यापक सूचना हेतु टिप्पणी वाले कॉलम में विस्तृत विवरण जोड़ा जा सकता है।
- बिना किसी देरी तथा भटकाव के आवश्यक सूचनाएँ भरी जा सकती हैं।

विश्लेषण एवं परिणाम (किये गये अवलोकन पर आधारित)

- अवलोकन के पश्चात् अवलोकन को शीघ्र अति शीघ्र लिखा जाए।
- अवलोकित किये गये सभी निश्चित पैटर्नों को लिखा जाए तथा परिणामों हेतु विश्लेषण किया जाए।

सावधानियाँ

- अवलोकन करते समय विनीत रहिए।
- गतिविधि के स्वाभाविक क्रम को बदले बिना स्वाभाविक हालात सुनिश्चित कीजिए।
- उपयुक्त कॉलम को भरिए तथा सही का निशान लगाइए।
- अवलोकन के पूरा होने के तुरंत बाद सभी वर्णनात्मक विवरण जोड़े जा सकते हैं।

निष्कर्ष: अवलोकन एवं अपने सैद्धान्तिक ज्ञान के आधार पर निष्कर्ष निकालिए।

प्रायोगिक गतिविधि-2

पाँच माह के शिशु की प्रगति के पड़ावों का अध्ययन करने हेतु अवलोकन करना।

लक्ष्य : अध्ययन करना कि पाँच माह के शिशु ने वाँछित प्रगति की है या नहीं।

उद्देश्य : इस प्रायोगिक गतिविधि को करने के बाद आप:-

- पाँच माह के शिशु की प्रगति के पड़ावों का स्मरण करते हैं तथा सूची बनाते हैं;

- पहचानते हैं कि बच्चे ने वाँछित पड़ाव हासिल किये हैं या नहीं;
- अभी तक हासिल नहीं किये गये वांछित पड़ावों की सूची बनाते हैं; और
- सभी वांछित पड़ावों को हासिल करने हेतु गतिविधियाँ सुझाते हैं।

पूर्व ज्ञानः

- पाँच वर्ष के बच्चे के विकास के पड़ावों के बारे में शिक्षार्थी परिचित है।
- विकासात्मक देरी को पहचानता है तथा वांछित विकास के पड़ावों को हासिल करने हेतु देखभालकर्ताओं को गतिविधियों हेतु सुझाव देता है।

आवश्यक सामग्री

- पेंसिल, पेन, स्केच पेन
- रबर, पैमाना, शार्पनर
- चार्ट शीट/पेपर

विधि

(i) नीचे दी गई जानकारी चार्ट पेपर पर लिखिए। प्रत्येक जानकारी हेतु आवश्यक स्थान प्रदान कीजिए।

दिनांक :

बच्चे का नाम :

जन्म तिथि :

अवलोकन का स्थानः

(ii) बच्चे से संबंधित वांछित पड़ावों की सूची

क्र.सं.	वांछित पड़ाव	हाँ	नहीं	टिप्पणी
1.				
2.				
3.				
4.				
5.				
6.				
7.				
8.				
9.				
10.				

अवलोकन

- अध्ययन के अन्तर्गत लिये गये केस का विवरण विस्तार से भरिए।
- केस से संबंधित अवलोकित किये जाने वाले वांछित पड़ावों का अध्ययन कीजिए।
- सही कॉलम में तुरंत सही का निशान लगाइए।
- अन्य किसी अवलोकन को विस्तारपूर्वक लिखिए।

विश्लेषण और परिणाम

- सभी विकासात्मक देरी का विश्लेषण कीजिए तथा इस देरी से संबंधित सभी संभावित कारक लिखिए।
- पड़ावों की अनुपस्थिति या अत्यंत ग्रीव विचलन का आकलन कीजिए।
- कुछ सामान्य रूप से विलंबित विकास हेतु छूट दीजिए।
- संबंधित देखभालकर्ताओं के साथ विलंबित विकास के कारणों पर चर्चा कीजिए।

सावधानियाँ

- देखभालकर्ता की उपस्थिति में ही शिशु का अवलोकन कीजिए।
- किसी भी रूप में देखभालकर्ता या शिशु को सचेत मत कीजिए।
- स्वाभाविक परिवेश तथा वातावरण में ही शिशु का अवलोकन कीजिए।
- अवलोकन के दौरान देखभालकर्ता के साथ किसी भी विकासात्मक देरी और अनुपस्थिति की चर्चा मत कीजिए।

निष्कर्ष: अवलोकन तथा अपने सैद्धान्तिक ज्ञान के आधार पर निष्कर्ष निकालिए।

प्रायोगिक गतिविधि-3

बाहर खेलते हुए किसी टॉडलर का अवलोकन करना।

(प्रायोगिक गतिविधि-2 का सदर्भ लीजिए परन्तु जाँच सूची इस प्रायोगिक गतिविधि के लक्ष्यों के अनुरूप तैयार कीजिए।)

प्रायोगिक गतिविधि-4

अंदर खेलते हुए पाँच वर्ष के बच्चे का अवलोकन करना।

(प्रायोगिक गतिविधि 2 का संदर्भ लीजिए परंतु जाँच सूची इस प्रायोगिक गतिविधि के लक्ष्यों के अनुरूप तैयार कीजिए।)

2. पारिवारिक मान्यताएँ

प्रायोगिक गतिविधि-5

विकास के किसी एक आयाम से संबंधित किसी टॉडलर के देखभालकर्ता/अभिभावक पर प्रशासित की जाने वाली एक प्रश्नावली तैयार करना।

लक्ष्य : आसान एवं शीघ्र सूचना एकत्र करने हेतु प्रश्नावली एक महत्वपूर्ण उपकरण है। संक्षिप्त एवं सटीक जानकारी हेतु सुनियोजित प्रश्न आवश्यक हैं। मुक्त अंत वाले तथा बंद अंत वाले दोनों ही प्रकार के प्रश्नों को प्रश्नावली में शामिल किया जा सकता है।

उद्देश्य : इस प्रायोगिक गतिविधि को करने के बाद आप

- वांछित सूचनाओं को एकत्र करने हेतु उपयुक्त प्रश्न बनाते हैं;
- आसानी से उत्तर देने के लिए सही एवं साधारण भाषा का उपयोग करते हैं; और
- मुक्त अंत तथा बंद अंत वाले प्रश्नों का उचित समन्वय करते हैं।

आवश्यक सामग्री

- पेंसिल, पेन, स्केच पेन
- रबर, पैमाना, शार्पनर
- चार्ट शीट/पेपर

विधि

साक्षात्कार किये जाने वाले व्यक्ति का विवरण चार्ट शीट पर लिखिए–

नाम :

दिनांक :

पता :

नोट : प्रश्न तैयार करने से पहले उन क्षेत्रों की सूची तैयार कीजिए जिनके बारे में सूचना वांछित हो। क्योंकि यह प्रश्नावली अभिभावकों हेतु तैयार की जानी है अतः उनकी शैक्षिक योग्यता के अनुरूप भाषा का उपयोग कीजिए। सभी प्रश्नों का लक्ष्य टॉडलर के बारे में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करना होना चाहिए। संवेदनशील मुद्दों से बचिए।

प्रश्नों को निम्नलिखित सूचना एकत्र करने में सहायक होना चाहिए–

- बच्चे की जन्म तिथि
- बच्चे के जन्म का प्रकार–सामान्य या सर्जरी द्वारा
- कोई प्रारंभिक बीमारी
- सगे भाई–बहनों की संख्या
- टॉडलर ने बैठना, खड़े होना, चलना तथा बात करना कब सीखा
- किसी ईसीसीई केन्द्र पर जाता है या नहीं
- बच्चे की रुचि एवं सबल पक्ष
- विभिन्न आयामों में बच्चे का विकास/विकासात्मक देरी इत्यादि।

नोट : आप बच्चे के व्यवहार संबंधी समस्याओं के आकलन हेतु भी एक जाँच सूची तैयार कर सकते हैं तथा देखभालकर्ता को उपयुक्त कॉलम में सही का निशान लगाने के लिए कह सकते हैं। (नमूना नीचे दिया जाता है)

क्षेत्र	कभी नहीं	कभी-कभी	सदैव	टिप्पणी
भाई-बहनों के साथ झगड़ा				
हडबडाहट में खाना				
बिस्तर गीला करना				
गुस्सा या चिड़चिड़ापन				

अवलोकन

- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखिए या प्रत्येक के सामने छोटे नोट बनाइए तथा बाद में भरिए।
- जहाँ भी आवश्यक हो, विस्तृत विवरण जोड़िए।
- यदि आवश्यक हो, देखभालकर्ता के साथ ही बच्चे का अवलोकन कीजिए।
- बच्चे के व्यवहार का वर्णन करने के लिए उपयोग किये गये शब्दों का अवलोकन कीजिए।
- प्रश्नों का उत्तर देते समय देखभालकर्ता के शारीरिक हावभाव का अवलोकन कीजिए।

विश्लेषण एवं परिणाम

- प्रत्येक प्रश्न के सामने संपूर्ण विवरण लिखिए तथा बच्चे की किसी विशिष्ट जानकारी हेतु उनका विश्लेषण कीजिए। दी गयी जानकारियों में विसंगतियों को नोट कीजिए।
- परिवार द्वारा दी गई जानकारी का, बच्चे के बारे में अपने अवलोकन के साथ मिलान करने का प्रयास कीजिए।
- सभी जानकारियों को एकत्र करते हुए संश्लेषित कर परिणाम निकालिए।

सावधानियाँ

- प्रश्नावली तैयार करते समय ध्यान रखने वाली बातें–
  - संक्षिप्त रहिए तथा सीमित प्रश्नों का उपयोग कीजिए।
  - प्रश्न सरल एवं स्पष्ट होने चाहिए।
  - व्यक्तिगत प्रश्नों से बचिए।
  - प्रश्नों में क्रमबद्धता तार्किक होनी चाहिए।
  - प्रश्न लक्ष्य से संबंधित होने चाहिए।
  - संबंधित व्यक्ति के लिए बहुत लंबी तथा उबाऊ प्रश्नावली तैयार मत कीजिए।
- सत्र प्रारंभ करने से पहले देखभालकर्ता को सहज होने दीजिए।

- देखभालकर्ता को यह विश्वास दिलाएँ कि जानकारी का उपयोग बच्चे की सहायता के लिए किया जाएगा तथा सभी जानकारी गोपनीय रखी जाएगी।
- व्यक्तिगत प्रश्न पूछने से बचिए।
- प्रश्नों के उत्तर देते समय व्यक्ति को बाधित मत कीजिए।
- ज्यादा समय मत लीजिए। यदि आवश्यक हो तो एक लंबे सत्र के स्थान पर दो छोटे-छोटे सत्रों की व्यवस्था कीजिए।

निष्कर्ष : प्राप्त सूचनाओं के आधार पर बच्चे का वर्णन कीजिए। बच्चे या देखभालकर्ता के बारे में कोई निर्णय मत लीजिए और ना कोई धारणा बनाइए।

प्रायोगिक गतिविधि-6

शिशुओं तथा टॉडलर के खान-पान की मान्यताओं पर सूचनाएँ एकत्र करने हेतु 8 से 10 प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार करना।

लक्ष्य : किसी विशिष्ट क्षेत्र/संस्कृति के शिशुओं तथा टॉडलर की खानपान के तरीकों का अध्ययन करना।

उद्देश्य : इस प्रायोगिक गतिविधि को करने के बाद आप–

- अपने परिवार या पड़ोस में शिशुओं तथा टॉडलर के खानपान के तरीकों का वर्णन करते हैं; और
- इन खानपान के तरीकों की अन्य परिवारों के खानपान के तरीकों से तुलना करते हैं।

(प्रायोगिक गतिविधि-5 का संदर्भ लीजिए परंतु प्रश्नावली प्रायोगिक गतिविधि के लक्ष्यों के अनुरूप हो)।

प्रायोगिक गतिविधि-7

चार से पाँच वर्ष के बच्चों की देखभाल की दिनचर्या तथा मान्यताओं के बारे में सूचना एकत्र करने हेतु 8 से 10 प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार करना।

(प्रायोगिक गतिविधि-5 का संदर्भ लीजिए परंतु प्रश्नावली प्रायोगिक गतिविधि के लक्ष्यों के अनुरूप हो)।

प्रायोगिक गतिविधि-8

आपके पड़ोस/परिवार में बच्चों द्वारा खेले जाने वाले नवीन खेल क्रियाओं तथा सामग्रियों की सूची तैयार करना।

निम्नलिखित के बारे में अपने पड़ोस के सदस्यों के साथ अन्तर्क्रिया तथा चर्चा कीजिए–

(i) नवीन खेल क्रियाएँ

(ii) नवीन खेल सामग्री

(प्रायोगिक गतिविधि-5 का संदर्भ लीजिए परंतु प्रश्नावली प्रायोगिक गतिविधि के लक्ष्यों के अनुरूप हो)।

3. विद्यालय अभिलेख

प्रायोगिक गतिविधि-9

अपने पड़ोस के एक ईसीसीई केन्द्र का दौरा कीजिए तथा बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये अभिलेखों का अध्ययन कीजिए। अपने अवलोकन का 150 शब्दों में प्रतिवेदन लिखिए।

विधि

(i) तैयार किये जाने वाले सभी आवश्यक अभिलेखों की सूची तैयार कीजिए तथा ईसीसीई केन्द्र द्वारा तैयार किये गये अभिलेखों पर सूची में सही (√) का निशान लगाइए। ईसीसीई केन्द्र द्वारा तैयार नहीं किये गये अभिलेखों के सामने (X) का निशान लगाइए।

(ii) ईसीसीई केन्द्र द्वारा तैयार किये गये अभिलेखों के डिजाइन तथा प्रारूप का अध्ययन कीजिए एवं टिप्पणी कीजिए।

(iii) अभिलेखों के भंडारण तथा स्थापन का अध्ययन कीजिए एवं यह भी अध्ययन कीजिए कि कोई भी उन तक कैसे पहुँच सकता है तथा कैसे सूचनाएँ दर्ज कर सकता है।

(iv) अध्ययन कीजिए कि क्या कोई उच्च अधिकारी उन पर हस्ताक्षर करता है तथा उन्हें वैध घोषित करता है या नहीं।

(v) ऐसे अभिलेखों की जाँच कीजिए जो माता-पिता के देखने हेतु उपलब्ध हैं।

प्रायोगिक गतिविधि-10

ईसीसीई केन्द्र पर भ्रमण के दौरान अपने अवलोकन के आधार पर बच्चे का संचयी अभिलेख/बच्चे का प्रोफाइल तैयार करना।

भ्रमण के दौरान अवलोकित अभिलेखों के आधार पर पाई गई कमियों में आवश्यक सुधार करते हुए किसी बच्चे का संचयी अभिलेख/बच्चे का प्रोफाइल तैयार कीजिए।

प्रायोगिक गतिविधि-11

किसी ईसीसीई केन्द्र पर भ्रमण के दौरान अपने अवलोकन के आधार पर एक बच्चे के प्रवेश संबंधी अभिलेख तैयार करना।

भ्रमण के दौरान अवलोकित अभिलेखों के आधार पर पाई गई कमियों में आवश्यक सुधार करते हुए किसी बच्चे का प्रवेश संबंधी अभिलेख तैयार कीजिए।

प्रायोगिक गतिविधि-12

किसी ईसीसीई केन्द्र पर भ्रमण के दौरान अपने अवलोकन के आधार पर किसी बच्चे का पोर्टफोलियो तैयार करना।

भ्रमण के दौरान अवलोकित अभिलेखों के आधार पर पाई गई कमियों में आवश्यक सुधार करते हुए किसी बच्चे का पोर्टफोलियो तैयार कीजिए।

4. किसी ईसीसीई केन्द्र की अवसंरचना तथा सुविधाएँ

प्रायोगिक गतिविधि-13

किसी ईसीसीई केन्द्र की आवश्यक अवसंरचना के आसान एवं शीघ्र आकलन हेतु एक आकलन प्रपत्र तैयार करना।

जाँच सूची तैयार करने हेतु मूलभूत बातें

(i) अपनी आकलन की योजना को कागज पर लिखिए।

(ii) एक अच्छे ईसीसीई केन्द्र की विशेषताओं को सूचीबद्ध कीजिए तथा आसान एवं शीघ्र आकलन हेतु प्रत्येक मानक के लिए रेटिंग स्केल तैयार कीजिए।

रेटिंग स्केल कार्यों, प्रणालियों, पद्धतियों, गुणवत्ता या मात्रा इत्यादि का आकलन करने हेतु एक उपकरण है। यह बंद अंत वाले प्रश्नों की एक सर्वेक्षण प्रश्नावली है जिसका उपयोग विशिष्ट एवं विशेष सुविधाओं के अध्ययन हेतु तुलनात्मक रूप में प्रतिपुष्टि के अध्ययन के लिए किया जाता है। यह बहुविकल्पीय प्रश्नों का ही एक प्रकार है। यह किसी गुण के गुणात्मक पहलु का आकलन करने में सहायता करता है। यह आंकिक या वर्णनात्मक हो सकता है।

विधि

(i) आकलन हेतु विषय/मुद्दे का चयन कीजिए।

(ii) आप इसका कितने स्तरों पर आकलन करना चाहते हैं, इसका चयन कीजिए।

(iii) प्रत्येक स्तर का एक संक्षिप्त वर्णन लिखिए।

(iv) स्तर हेतु संख्यात्मक मान का चयन कीजिए।

प्रायोगिक गतिविधि-14

किसी ईसीसीई केन्द्र के स्थान प्रबंधन का आकलन करना।

इस प्रारूप का उपयोग करते हुए आकलन किये जाने वाले मापदंडों की सूची तैयार कीजिए।

नमूना नीचे दिया गया है।

स्थान प्रबंधन का आकलन

क्र.सं.	मुद्दे	1	2	3	4	5
1.	आन्तरिक खेलों हेतु स्थान (i) बच्चों की संख्या के अनुरूप पर्याप्त स्थान (ii) स्थिति (iii) सुरक्षा (iv) हवादार/स्वच्छ (v) खेल सामग्री (vi) आयु वर्ग के अनुरूप साधन/फर्नीचर					

1 = अति उत्तम

2 = उत्तम

3 = औसत

4 = खराब

5 = बहुत खराब

व्यापक एवं स्पष्ट जानकारी हेतु यह सूची और भी लंबी एवं व्यापक हो सकती है। प्रत्येक स्केल स्तर के आधार पर परिणामों का आकलन किया जा सकता है।

परिणामी निष्कर्षों के आधार पर एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए तथा इसकी तुलना निर्धारित किये गये मानकों से कीजिए। जहाँ सुधार की संभावना हो, वहाँ टिप्पणी कीजिए।

प्रायोगिक गतिविधि-15

किसी ईसीसीई केन्द्र के बाह्य खेल साधनों का आकलन करना।

(i) आकलन किये जाने वाले मानदंडों की सूची तैयार कीजिए।

(ii) आकलन के विभिन्न स्तरों का वर्णन कीजिए।

(iii) उपलब्ध आँकड़ों का विश्लेषण कीजिए तथा निष्कर्ष निकालिए।

(iv) आँकड़ों एवं निकाले गये निष्कर्षों पर एक प्रतिवेदन लिखिए।

नमूना नीचे दिया गया है।

खेल साधनों का आकलन

क्र.सं.	मापदंड	1	2	3
1.	झूले/फिसल पट्टियां, सी-सॉ			
2.	गेंद			
3.	दौड़ने एवं खेलने का स्थान			
4.	जिम उपकरण			
5.	बागवानी के उपकरण			
6.	रेत के गढ्ढे			
7.	साईकिल/ट्राई साईकिल (अन्य कोई)			

1 = आदर्श

2 = पर्याप्त

3 = अभाव

प्रायोगिक गतिविधि-16

किसी ईसीसीई केन्द्र के आन्तरिक खेलों के साधनों का आकलन करना।

(प्रायोगिक गतिविधि 15 में दिये गये तरीके का अनुपालन कीजिए। उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही आकलन हेतु मापदंड तैयार कीजिए।)

प्रायोगिक गतिविधि-17

किसी ईसीसीई केन्द्र की जल एवं शौचालय सुविधाओं का आकलन करना।

(प्रायोगिक गतिविधि 15 में दिये गये तरीके का अनुपालन कीजिए। उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही आकलन हेतु मापदंड तैयार कीजिए।)

प्रायोगिक गतिविधि-18

किसी ईसीसीई केन्द्र की हवा प्रकाश एवं हवादार होने की सुविधाओं का आकलन करना।

(प्रायोगिक गतिविधि 15 में दिये गये तरीकों का अनुपालन कीजिए। उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही आकलन हेतु मापदंड तैयार कीजिए।)

5. ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम

प्रायोगिक गतिविधि-19

शिक्षक के चयन हेतु साक्षात्कार के लिए पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार करना।

तैयार किये गये प्रश्न शिक्षक की सेवा प्रोफाइल के संबंध में आवश्यक जानकारी एकत्र करने में सक्षम होने चाहिए।

विधि

(i) नियुक्त किये जाने वाले शिक्षक की सेवा प्रोफाइल तैयार कीजिए।

(ii) नियुक्त किये जा रहे शिक्षक के दायित्वों की एक सूची तैयार कीजिए।

(iii) नियुक्त किये जाने वाले शिक्षक द्वारा किये जाने वाले दायित्व निर्वहन की सूची तैयार कीजिए।

(iv) शिक्षक से अपेक्षित तकनीकी योग्यता।

(v) समान कार्य क्षेत्र में कार्य अनुभव।

(vi) अपेक्षित पारिश्रमिक।

प्रायोगिक गतिविधि-20

केन्द्र प्रभारी के चयन हेतु साक्षात्कार के लिए पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार करना।

सेवा रूपरेखा (प्रोफाइल) को ध्यान में रखते हुए ही प्रश्नों को तैयार किया जाना चाहिए।

प्रायोगिक गतिविधि-21

केन्द्र सहायक के चयन हेतु साक्षात्कार के लिए पूछे जाने वाले प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार करना।

सेवा रूपरेखा (प्रोफाइल) को ध्यान में रखते हुए प्रश्नों को तैयार किया जाना चाहिए।

प्रायोगिक गतिविधि-22

पड़ोस के किसी ईसीसीई केन्द्र पर जाइए तथा चलाये जा रहे कार्यक्रमों को सूचीबद्ध कीजिए। किसी प्री-स्कूल में चलाये जाने वाले तीन घंटे के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कीजिए।

किसी ईसीसीई कार्यक्रम की मूल आवश्यकताएँ

बच्चों के समग्र विकास की सुनिश्चितता हेतु निम्नलिखित के लिए उपयुक्त गतिविधियों का चयन कीजिए तथा उपयुक्त समय का निर्धारण कीजिए।

(i) शारीरिक गत्यात्मक विकास

(ii) संज्ञानात्मक विकास

(iii) भाषायी विकास

(iv) सामाजिक-संवेगात्मक विकास

शामिल की जाने वाली गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं–

(i) स्वतंत्र खेल

(ii) निर्देशित/पर्यवेक्षित खेल

(iii) बाह्य खेल/गतिविधियाँ

(iv) आन्तरिक खेल/गतिविधियाँ

(v) कहानी सुनाना

(vi) कविता एवं अनुवाचन

(vii) कला और शिल्प

(viii) स्वतंत्र एवं निर्देशित वार्तालाप

(ix) आराम

(x) भोजन/अल्पाहार का समय

नोट: ध्यान दीजिए कि बच्चों की ध्यान अवधि कम होती है इसलिए गतिविधियों के लिए निर्धारित समय 15-20 मिनट से अधिक नहीं होना चाहिए।

प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा
उच्चतर माध्यमिक स्तर

प्रायोगिक गतिविधि

ईसीसीई पाठ्यक्रम का उद्देश्य न केवल शिक्षार्थियों को सैद्धान्तिक ज्ञान से परिचित कराना है बल्कि ईसीसीई की वास्तविक परिस्थितियों से जोड़ने के अवसर प्रदान करना भी है। इस प्रायोगिक अभ्यास में शामिल गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को कुछ ऐसे क्रियाकलाप करने में सहायक होंगी जो ईसीसीई के सैद्धान्तिक ज्ञान तथा वास्तविक परिस्थितियों के मध्य जुड़ाव हेतु कड़ी का कार्य करेगी। इसमें शामिल गतिविधियाँ शिक्षार्थियों को प्रयोग द्वारा स्वयं करके सीखते हुए बच्चों की बेहतर समझ हासिल करने में सहायक होंगी। सभी प्रायोगिक गतिविधियाँ अनिवार्य हैं और शिक्षार्थियों द्वारा स्वयं ही की जानी है। सभी गतिविधियाँ पाँच श्रेणियों में विभाजित हैं। अंतिम प्रायोगिक परीक्षा हेतु शिक्षार्थी को पर्ची के माध्यम से इन पाँच श्रेणियों में से कोई एक गतिविधि दी जाएगी।

श्रेणियाँ एवं गतिविधियाँ नीचे सूचीबद्ध हैं–

1. अवलोकन

(क) बच्चों के अवलोकन के अभिलेखन हेतु एक प्रपत्र तैयार करना। नीचे दी गई सूची के अनुसार अपने पड़ोस/परिवार के बच्चे/बच्चों का 20 मिनट तक अवलोकन कीजिए। अपने प्रत्येक अवलोकन हेतु 150 शब्दों में एक प्रतिवेदन तैयार कीजिए।

- पाँच माह का शिशु: हासिल किये गये पड़ावों का अवलोकन
- बाहर खेलते हुए टॉडलर : अन्य बच्चों के साथ टॉडलर की बातचीत तथा जिस खेल में वह संलग्न है, पर टिप्पणी
- आन्तरिक खेल खेलते हुए पाँच वर्ष का बच्चा : अन्तर्क्रिया तथा खेल के प्रकार पर टिप्पणी

(3 Marks)

2. पारिवारिक मान्यताएँ

(क) विकास के किसी एक आयाम से संबंधित किसी टॉडलर के अभिभावक पर प्रशासित की जाने वाली एक प्रश्नावली तैयार करना।

(ख) निम्नलिखित के बारे में पारिवारिक मान्यताओं की जानकारी एकत्र करने के लिए 8 से 10 प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार कीजिए।

(अ) शिशुओं एवं टॉडलर का खान-पान की मान्यताएँ

(ब) चार से पाँच वर्ष के बच्चों की देखभाल की दिनचर्या एवं मान्यताएँ

(ग) अपने पड़ोस/परिवार में बच्चों द्वारा खेली जाने वाली खेल क्रियाओं तथा सामग्रियों की सूची तैयार करना।

(3 Marks)

3. विद्यालय अभिलेख

(क) अपने पड़ोस के किसी ईसीसीई केन्द्र पर जाइए तथा बच्चों एवं शिक्षकों द्वारा तैयार किये गये अभिलेखों का अध्ययन कीजिए। अपने अवलोकन का 150 शब्दों में प्रतिवेदन लिखिए।

(ख) इस भ्रमण के दौरान अपने अवलोकन के आधार पर निम्नलिखित अभिलेख तैयार कीजिए–

- बच्चों का संचयी अभिलेख/बच्चों का प्रोफाइल अभिलेख
- बच्चों का प्रवेश संबंधी अभिलेख
- बच्चों का पोर्टफोलियो (3 Marks)

4. ईसीसीई केन्द्र की अवसंरचना तथा सुविधाएँ

(क) ईसीसीई केन्द्र की आवश्यक अवसंरचना के आसान एवं शीघ्र आकलन हेतु प्रपत्र तैयार कीजिए। इस प्रपत्र का उपयोग करके अपने पड़ोस के ईसीसीई केन्द्र पर निम्नलिखित के बारे में आकलन कीजिए।

- स्थान प्रबंधन
- बाह्य खेल साधन
- आन्तरिक खेल साधन
- जल एवं शौचालय सुविधाएँ
- वायु, प्रकाश एवं हवादार होने के संबंध में (3 Marks)

5. ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम

(क) निम्नलिखित कर्मचारियों के चयन हेतु साक्षात्कार के दौरान पूछे जाने वाले प्रश्नों की प्रश्नावली तैयार कीजिए–

- शिक्षक
- केन्द्र प्रभारी
- केन्द्र सहायक

(ख) पड़ोस के ईसीसीई केन्द्र पर जाइए तथा चलाये जा रहे कार्यक्रमों का अध्ययन कीजिए। किसी प्री-स्कूल में चलाये जाने वाले तीन घंटे के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कीजिए। (3 Marks)

प्रायोगिक गतिविधि

तीन (03) घंटे की अवधि की एक प्रायोगिक परीक्षा होगी। इसका कुल अंक भार 20 होगा। अंकों का वितरण इस प्रकार है–

क्र.सं.	प्रकार	अंक
1.	**अवलोकन**	**03**
2.	**पारिवारिक मान्यताएँ**	**03**
3.	**विद्यालय अभिलेख**	**03**
4.	**ईसीसीई केन्द्र की अवसंरचना एवं सुविधाएँ**	**03**
5.	**ईसीसीई कर्मचारी एवं कार्यक्रम**	**03**
6.	**पोर्टफोलियो और मौखिक परीक्षा**	**05 (3+2)**
	कुल	**20**